FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

FOR

M.A. HINDI (CBEGS)

EXAMINATION: 2019-20

GURU NANAK DEV UNIVERSITY AMRITSAR

Note: (i) Copy rights are reserved.
Nobody is allowed to print it in any form.
Defaulters will be prosecuted.

(ii) Subject to change in the syllabi at any time.
Please visit the University website time to time.

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–I)

Scheme of Course

Note:- All the departmental courses shall be of 4 credit.
About 10% of the total credits have to be earned from other departments by the students of M.A. Hindi.

SEMESTER–I

Note:- The students will be required to take up five core courses and one from Optional courses

Course Code	Course Name	Compulsory / Optional	Credits
HIL-401	Aadhunik Hindi Kavita आधुनिक हिन्दी कविता	Compulsory	4-0-0
HIL-402	Hindi Sahitya ka Itihas (Aadikal evam PuravMadhyaKal) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल)	Compulsory	4-0-0
HIL-403	Paschatya Kavyashastra evam Sameeksha पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समीक्षा	Compulsory	4-0-0
HIL-404	Kaamkaji Hindi Evam Hindi Computing कामकाजी हिन्दी एवं हिन्दी कम्प्यूटिंग	Compulsory	4-0-0
HIL-405	Patarkarita Prashikshan पत्रकारिता प्रशिक्षण	Compulsory	4-0-0
HIL-406	Premchandottar Hindi Upanyas प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास	Optional	4-0-0
HIL-407	Natak Aur Rangmanch (Purav khand) नाटक और रंगमंच (पूर्व खण्ड)	Optional	4-0-0
HIL-408	Guru Gobind singh ke Kavya ka Vishesh Adyayan गुरु गोबिंद सिंह के काव्य का विशेष अध्ययन	Optional	4-0-0
HIL-409	Nibandhkar Prof. Puran Singh निबंधकार प्रो. पूर्ण सिंह	Optional	4-0-0

SEMESTER–II

Note:- The students will be required to take up five core courses and one from Optional courses and one from interdisciplinary courses being offered by other department.

Course Code	Course Name	Compulsory / Optional	Credits
HIL-410	Aadhunik Hindi Kavita: Chayavadotar Yug आधुनिक हिन्दी कविताः छायावादोत्तर युग	Compulsory	4-0-0
HIL-411	Hindi Sahitya Ka Itihas (Uttarmadhyakaal Evam Aadhunik Kaal) हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तरमध्यकाल एवं आधुनिक काल)	Compulsory	4-0-0
HIL-412	Bhartiya Kavyashastra भारतीय काव्यशास्त्र	Compulsory	4-0-0
HIL-413	Media Lekhan मीडिया–लेखन	Compulsory	4-0-0
HIL-414	Swatantrottar Hindi Upnyas स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास	Optional	4-0-0
HIL-415	Natak Aur Rangmanch (Uttar Khand) नाटक और रंगमंच (उत्तरखण्ड)	Optional	4-0-0
HIL-416	Kathakaar Munshi Premchand कथाकार मुंशी प्रेमचंद	Optional	4-0-0
HIL-417	Kamayani: Vishesh Adhyayan कामायनीः विशेष अध्ययन	Optional	4-0-0
HIL-418	Kabir: Vishesh Adhyayan कबीरः विशेष अध्ययन	Optional	4-0-0
HIL-419	Hindi Vyakaran: Vishesh Adhyayan हिन्दी व्याकरणः विशेष अध्ययन	Compulsory	4-0-0
ID Course		Compulsory	4-0-0

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–I)

SEMESTER–III

Note:- The students will be required to take up five core courses and one from Optional courses and one from interdisciplinary courses being offered by other department.

Course Code	Course Name	Compulsory / Optional	Credits
HIL-501	Madhyakaleen Hindi Kavya मध्यकालीन हिन्दी काव्य	Compulsory	4-0-0
HIL-502	Aadhunik Hindi Gadya आधुनिक हिन्दी गद्य	Compulsory	4-0-0
HIL-503	Bhashavigyan भाषाविज्ञान	Compulsory	4-0-0
HIL-504	Hindi Bhasha Aur Devnagri Lipi हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि	Compulsory	4-0-0
HIL-505	Hindi mein Anudit Vishv Sahitya हिन्दी में अनूदित विश्व साहित्य	Compulsory	4-0-0
HIL-506	Shellyvigyan शैलीविज्ञान	Optional	4-0-0
HIL-507	Bhartiya Sahitya भारतीय साहित्य	Optional	4-0-0
HIL-508	Punjab ka Madhyakaleen Hindi Sahitya पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य	Optional	4-0-0
ID Course		Compulsory	4-0-0

SEMESTER–IV

Note:- The students will be required to take up five core courses and one from Optional courses and one from interdisciplinary courses being offered by other department.

Course Code	Course Name	Compulsory / Optional	Credits
HIL-509	Madhyakaleen Hindi Kavya मध्यकालीन हिन्दी काव्य	Compulsory	4-0-0
HIL-510	Aadhunik Hindi Gadya आधुनिक हिन्दी गद्य	Compulsory	4-0-0
HIL-511	Aadhunik Bhasha Vigyan आधुनिक भाषाविज्ञान	Compulsory	4-0-0
HIL-512	Rajbhasha Prashikshan राजभाषा प्रशिक्षण	Compulsory	4-0-0
HIL-513	Pravasi Hindi Sahitya प्रवासी हिन्दी साहित्य	Compulsory	4-0-0
HIL-514	Punjab Ka Aadhunik Hindi Sahitya पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य	Optional	4-0-0
HIL-515	Natakkar Mohan Rakesh नाटककार मोहन राकेश	Optional	4-0-0
HIL-516	Kavi Hariyanshrai Bachchan कवि हरिवंशराय बच्चन	Optional	4-0-0
HIL-518	Nibandhkar Prof. Puran Singh निबंधकार प्रो. पूर्ण सिंह	Optional	4-0-0
HIL-519	Sahitik Niband Lekhan साहित्यिक निबंध लेखन		
ID Course		Compulsory	4-0-0

NOTE:- PSL-053 ID Course Human Rights & Constitutional Duties (Compulsory Paper). Students can opt. this paper in any semester except the 1st Semester. This ID Paper is one of the total ID Papers of this course.

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–I)

HIL-401: आधुनिक हिन्दी कविता

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कविः

1) **मैथिलीशरण गुप्तः** साकेत, (नवम् सर्ग), साहित्य सदन, झाँसी।
2) **जयशंकर प्रसादः** कामायनी, (चिन्ता एवं श्रद्धा सर्ग) भारती भण्डार, इलाहाबाद।
3) **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**: राग विराग (जूही की कली, सरोज स्मृति, राम की षक्ति पूजा, जागो फिर एक बार.1 तथा 2, तोड़ती पत्थर), सम्पादक–रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सैक्शन–बी

नवजागरण तथा द्विवेदी युग के प्रतिनिध कवि, उर्मिला का चरित्र –चित्रण, राष्ट्रीय चेतना के कवि : मैथिलीशरण गुप्त, साकेत सांस्कृति आधार, युगीन आदर्श, नवम् सर्ग का काव्य–वैभव

सैक्शन–सी

कामायनी की अन्तर्वस्तु, कामायनी का दार्शनिक–पक्ष
'कामायनी' इतिहास एवं कल्पना, बिंब तथा प्रतीक–योजना
कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी का कला–सौष्ठव

सैक्शन–डी

प्रयोगधर्मी कवि निराला, अर्थ गौरव
निराला का जीवन–दर्शन और राष्ट्रीय चिंतन
निराला की काव्य यात्रा के विभिन्न चरण, प्रगतिवाद और निराला

सहायक पुस्तकेंः

1. मैथिलीशरण गुप्तः एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली।
2. साकेत एक अध्ययन, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
3. साकेत सुधा, रामस्वरूप दुबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर।
4. कामायनीः एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. मिथक और स्वरूपः 'कामायनी' की मन : सौंदर्य सामाजिक भूमिका, रमेश कुन्तल मेघ, ग्रंथम, कानपुर।
7. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली।
8. कामायनीः मूल्यांकन और मूल्यांकन, इन्द्रप्रस्थ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. क्रान्तिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचारक, वाराणसी।
10. काव्य–पुरुष निराला, जयनाथ नलिन, आलोक प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।
11. निराला की साहित्य–साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. निराला का अलक्षित अर्थ गौरव, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।

HIL-402: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल)

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन, हिन्दी साहित्य का आरम्भ : प्रथम कवि एवं प्रथम रचना, साहित्येतिहास और इतिहास दर्शन

सैक्शन–बी

आदिकाल : सीमांकन, नामकरण तथा परिस्थितियाँ प्रमुख प्रवृत्तियाँ
आदिकाल की पृष्ठभूमि : अपभ्रंश साहित्य, उनका परवर्ती साहित्य पर प्रभाव
आदिकाल के उपलब्ध साहित्य का सामान्य परिचय, उपलब्ध साहित्यिक सामग्री तथा उसकी प्रामाणिकता का प्रश्न, आदिकालीन साहित्य की कथ्य और शिल्प की दृष्टि से उपलब्धियाँ

सैक्शन–सी

भारतीय भक्ति आन्दोलन : इतिहास एवं स्वरूप, भक्तिकाल की परिस्थितियाँ, भक्तिकाल के प्रमुख भक्ति सम्प्रदाय, निर्गुण भक्तिधारा : निर्गुण भक्ति का स्वरूप, संत–काव्य, प्रमुख संत कवि, संत काव्य की सामान्य प्रवृत्तियां
प्रेमाख्यानक काव्यधारा : प्रेमाख्यान काव्य–उद्‌गम–स्रोत, प्रेमाख्यानक काव्यधारा–प्रमुख असूफी तथा सूफी कवि (उत्तरी तथा दक्खिनी) प्रेमाख्यानक काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियाँ,, निर्गुण भक्तिकाव्य– संत तथा प्रेमाख्यानक–मूल्यांकन

सैक्शन–डी

सगुण भक्ति काव्य: वैष्णव भक्ति का सामान्य परिचय तथा वैशिष्ट्य
कृष्ण–भक्तिधारा की परम्परा तथा सम्प्रदाय, प्रमुख कवियों का परिचय, सामान्य प्रवृत्तियाँ
रामभक्तिधारा की परम्परा, प्रमुख कवियों का परिचय, रामभक्ति काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
सगुण भक्ति काव्य का मूल्यांकन
पूर्वमध्यकाल की अन्य प्रवृत्तियां : वीर, नीति, रीतिकाल तथा गद्यकाव्य का परिचय
पूर्व मध्यकालीन साहित्य की उपलब्धियाँ, स्वर्णयुग के रूप में मूल्यांकन
पूर्व मध्यकाल : भक्तिकाल तथा उत्तरमध्यकाल : संधिकाल

सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आ० रामचन्द्र शुक्ल, काशी–नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ० रामकुमार वर्मा, वेणीमाधव रामनारायण लाल, इलाहाबाद।
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा, डॉ० पूर्णदास, साहित्य सदन, कानपुर।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० हुकुमचंद राजपाल, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
7 हिन्दी साहित्य की भूमिका, डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक), आ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल और रीतिकाल : संधिकालीन प्रवृत्तियाँ, डॉ० विष्णु शरण 'इंदु', विभु प्रकाशन, साहिबाबाद।
10. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, रमेश चंद्र शर्मा, विद्या प्रकाशन कानपुर।
11. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, कृष्ण लाल 'हंस' ग्रंथम, कानपुर।

HIL-403: पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समीक्षा

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, प्लेटो : प्रत्ययवाद, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस : उदात्त तत्व, होरेस : औचित्य सिद्धांत,

सैक्शन–बी

क्रोंचे : अभिव्यंजनावाद, आइ०ए० रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत एवं सम्प्रेषण
समीक्षा–अवधारणा, परिभाषा, तत्व, स्वरूप, पाश्चात्य समीक्षा : स्वरूप विवेचन, आधुनिक समीक्षा : प्रकार,

सैक्शन–सी

नई समीक्षा, सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा, मनोविश्लेषणवादी समीक्षा।
समाजशास्त्रीय समीक्षा, शैलीविज्ञानिक समीक्षा,

सैक्शन–डी

पाश्चात्य साहित्यिक संदृष्टियां : मार्क्सवादी, अस्तित्ववादी, रूपवादी, स्वच्छन्दतावादी, मिथक, आद्यरूप, बिम्ब प्रतीक, स्वविवेक के अनुसार दिए गए गद्यांश–पद्यांश की समीक्षा विद्यार्थियों द्वारा की जाएगी।

सहायक पुस्तकें :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, संपा. डॉ० नगेन्द्र, दिल्ली विश्वद्यिालय, दिल्ली।
3. रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत, शकुन्तला झा, भारती भवन, पटना।
4. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांत, डॉ० मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
5. नई समीक्षा के प्रतिमान, सम्पा० डॉ०, निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली।
6. शैलीविज्ञानिक : प्रतिमान और विश्लेषण, डॉ० पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, देवदार प्रकाशन, करनाल।

HIL-404: कामकाजी हिन्दी एवं हिन्दी कम्प्यूटिंग

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

हिन्दी के विभिन्न रूप कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।

सैक्शन–बी

पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण के सिद्धांत, पारिभाषिक शब्द–गुण और विशेषताएँ।
शब्दावली के लिए निर्धारित पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, डॉ॰ एच॰एम॰ लालसूद तथा डॉ॰ देवेन्द्र, वागीश प्रकाशन, जालंधर संस्करण–2005 में से प्रमुख कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली, प्रमुख कम्प्युटर शब्दावली, कम्प्यूटर और हिंदी, देवनागरी कम्प्यूटर की पृष्ठभूमि,

सैक्शन–सी

इंटरनेटः आरंभ एवं विकास, कार्यप्रणाली, उपयोग, इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, वेब पब्लिशिंग इंटर एक्सप्लोइट, अथवा नेटस्कोप, लिंक ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफटवेयर पैकेज, (इसके साथ ही व्यावहारिक दक्षता भी परखी जाएगी)

सैक्शन–डी

अनुवाद विज्ञान और हिन्दी : अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार, अनुवाद प्रक्रिया, वैज्ञानिक तथा तकनीकी अनुवाद, विधि साहित्य अनुवाद, बैंकों में हिन्दी, कार्यालयी साहित्य अनुवाद,।

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. राजाभाषा हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग : सिद्धांत और तकनीक, राजीव, राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–I)

HIL-405: पत्रकारिता प्रशिक्षण

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

पत्रकारिताः स्वरूप स्पष्टीकरण, प्रमुख प्रकार
पत्रकारिताः उद्‌भव और विकास
लोकतन्त्र के समक्ष चुनौतियाँ और पत्रकारिता, पत्रकारिता की आचार संहिता

सैक्शन–बी

समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व–समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
संम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत–शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुत प्रक्रिया,

सैक्शन–सी

पत्रकारिता से संबंधित लेखन–संपादकीय लेखन, रिपोर्ताज, फीचर, साक्षात्कार, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति।

सैक्शन–डी

इलैक्टॉनिक मीडिया की पत्रकारिता, दूरदर्शन, वीडियो पत्रकारिता, केबल मल्टीमीडिया, इंटरनेट, प्रिंट पत्रकारिताः मुद्रणकला, पृष्ठ विन्यास, ले–आउट, प्रूफ शोधन एवं प्रूफ रीडिंग, व्यावहारिक पक्ष।

सहायक पुस्तकें

1. संपादन के सिद्धांत, रामचंद्र तिवारी।
2. पत्रकारिता के सिद्धांत, रमेशचन्द्र त्रिपाठी।
3. पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्डा।
4. पत्रकारिताः पहचान और प्रशिक्षण, डॉ॰ हरमोहन लाल सूद एवं डॉ॰ देवेन्द्र, संस्करण 2010

HIL-406: प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्यार्थ कृतियां

1. बाणबट्ट की आत्मकथाः हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मानस का हंस, अमृतलाल नागर :

सैक्शन–बी

बाणभट्ट की आत्मकथा की मूल्य–चेतना, बाणभट्ट की आत्मकथाः प्रमुख चरित्र, बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी–भावना

सैक्शन–सी

मानस का हंस : शीर्षक और औचित्य, इतिहास और कल्पना, पात्र परिकल्पना : तुलसी के चरित्र के विभिन्न आयाम, मानस का हंस : कलात्मक पक्ष, मूल्य चेतना

सैक्शन–डी

हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास, उपन्यास का स्वरूप तथा तत्व,
हिन्दी उपन्यास को आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की देन,
अमृतलाल नागर का हिन्दी उपन्यास–साहित्य को योगदान,
उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय,
उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी उपन्यास, एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का सर्जनात्मक साहित्य एवं सांस्कृतिक मानव–मूल्यों का निर्कष, हरमोहन लालसूद, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
3. आज का हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शान्तिनिकेतन से शिवालिक तक, शिवप्रसाद सिंह, नेशनल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
5. उपन्यासः स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–I)

HIL-407: नाटक और रंगमंच (पूर्व खण्ड)

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

1. भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद : चन्द्रगुप्त, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी।

सैक्शन–बी

भारतेंदु की नाट्य–चेतना, 'भारत दुर्दशा' में भारतेंदु युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति तथा युगबोध, 'भारत–दुर्दशा' का नाट्य–शिल्प, भारत दुर्दशा पात्र–परिकल्पना

सैक्शन–सी

जयशंकर प्रसाद की नाट्य–यात्रा में चन्द्रगुप्त का महत्वांकन, चन्द्रगुप्त में प्रसाद की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना, चन्द्रगुप्त : पात्र परिकल्पना

सैक्शन–डी

हिन्दी नाटय और उद्‌भव और विकास,
भारतेंदु मण्डल के नाटककारों का संक्षिप्त–परिचय,
नाटक के तत्व एवं स्वरूप,
भारतेंदु : युग और व्यक्तित्व
जयशंकर प्रसाद : युग और व्यक्तित्व
पारसी रंगमंच
पृथ्वी थियेटर

सहायक पुस्तकें:

1) भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ० अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर।
2) भारतेंदु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3) नाटककार भारतेंदु की रंग–परिकल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली।
4) प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्धनाथ कुमार, ग्रन्थम, कानपुर।
5) रंगकर्म, वीरेन्द्र नारायाण, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-408: गुरु गोबिंद सिंह के काव्य का विशेष अध्ययन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कृति
बचित्र नाटक, षिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, अमृतसर

सैक्शन–बी

पंजाब के मध्ययुगीन संत साहित्य का प्रेरणा स्त्रोत : श्री गुरु ग्रन्थ साहिब
गुरु काव्यधारा
दरबारी काव्य
पंजाब का हिन्दी साहित्य : आदिकाल के संदर्भ में

सैक्शन–सी

गुरु गोबिंद सिंह युग और व्यक्तित्व, दषम ग्रंथ का सामान्य परिचय, गुरु गोबिंद सिंह की राजनीतिक चेतना, गुरु गोबिंद सिंह का सामाजिक चिंतन

सैक्शन–डी

गुरु गोबिंद सिंह की भक्ति भावना, गुरु गोबिंद सिंह के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व, गुरु गोबिंद सिंह का विद्या दरबार, गुरु गोबिंद सिंह की वाणी का काव्य–सौष्ठव।

सहायक पुस्तकें–

गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी हिन्दी कविता, महीप सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
– दशम ग्रंथ की पौराणिक पृष्ठभूमि, रत्न सिंह जग्गी, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
– गुरु गोबिन्द सिंह की हिन्दी रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन, मोहनजीत सिंह, भाषा विभाग, पंजाब, पटियाला।
– सिक्ख गुरुओं के पुण्य संस्मरण, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
– गुरु गोबिंद सिंह और पंजाब का हिन्दी वीर साहित्य, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।

HIL-409: निबंधकार प्रो. पूर्ण सिंह

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति
अध्यापक पूर्ण सिंह के हिन्दी निबंध, (सच्ची वीरता, कन्यादान, पवित्रता, आचरण की सभ्यता, मजदूरी और प्रेम, अमेरिका का मस्त जोगी वाल्टव्हिटमैन) संपादक डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी , डॉ. सुधा जितेन्द्र, निर्मल पब्लिकेषन, दिल्ली।

सैक्शन–बी

हिन्दी निबंध का उद्‌भव और विकास
निबंध का स्वरूप, परिभाषांकन तथा तत्व
प्रो. पूर्ण सिंह का सामान्य परिचय
प्रो. पूर्ण सिंह की निबंध कला

सैक्शन–सी

सच्ची वीरता : कथ्य एवं षिल्प
कन्यादानः कथ्य एवं षिल्प
पवित्रता : कथ्य एवं षिल्प

सैक्शन–डी

आचरण की सभ्यता : कथ्य एवं षिल्प
मज़दूरी और प्रेम : कथ्य एवं षिल्प
अमेरिका का मस्त जोगी वाल्टव्हिटमैन : कथ्य एवं षिल्प

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी लेखक कोष, सुधा जितेन्द्र (संपा०), अमृतसर : गुरु नानक देव यूनीवर्सिटी, 2004.
2. पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य सुधा जितेन्द्र (संपा०), अमृतसर : गुरु नानक देव यूनीवर्सिटी, 2004.
3. पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल, डॉ० हुकुमचंद राजपाल, भाषा–विभाग, पंजाब।
4. पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी तथा कुलबिन्दर कौर, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-410: आधुनिक हिन्दी कविताः छायावादोत्तर युग

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कविः

1) स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय', सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1993.
2) धूमिल, संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1972
3) ग०मा० मुक्तिबोध, चाँद का मुँह टेढ़ा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1964

अज्ञेयः कितनी नावों में कितनी बार, 'बावरा अहेरी', औद्योगिक बस्ती, असाध्य वीणा, शब्द और सत्य, आंगन के पार
धूमिलः मोचीराम, भाषा की एक रात, पटकथा
ग०मा० मुक्तिबोधः दिमागी गुहान्धकार का औरांगउटांग, भूल गलती, 'अंधेरे में',(चयनित पद्यांष– 5)

सैक्शन–बी

छायावाद का विघटन तथा छायावादोत्तर काव्यांदोलन, असाध्य वीणा : प्रतिपाद्य तथा शिल्प, अज्ञेय की काव्य–भाषा, प्रयोगवादी कवि अज्ञेय, अज्ञेय की कविता का शिल्प : सौंदर्य, 'अज्ञेय' की जीवन–दृष्टि

सैक्शन–सी

साठोत्तरी हिन्दी कविता और धूमिल, जनवादी चेतना के कवि धूमिल, धूमिल की कविताओं में मानव मूल्य, धूमिल की कविताओं में आज के व्यक्ति का बिंब , धूमिल की कविताओं का भाषा शिल्प

सैक्शन–डी

मुक्तिबोध की लम्बी कविताओं का रचना–विधान, प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध, नयी कविता के प्रतिनिधि कवि मुक्तिबोध, मुक्तिबोध की किसी एक निर्धारित कविता पर आलोचनात्मक प्रश्न, समाज–बोध, फैंटेंसी का विशिष्ट कवि मुक्तिबोध

सहायक पुस्तकें:

1. अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
2. अज्ञेय की कविता–एक मूल्यांकन, चंद्रकांत बादिबडेकर, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
4. अज्ञेय कवि, ओमप्रकाश अवस्थी, ग्रंथम, कानपुर।
5. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, लल्लन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
6. मुक्तिबोध : विचारक कवि और कथाकार, सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. मुक्तिबोध की काव्य चेतना, हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. मुक्तिबोधः प्रतिबद्ध कला के प्रतीक, चंचल चौहान, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-411: हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तरमध्यकाल एवं आधुनिक काल)

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

उत्तरमध्यकाल –रीतिकाल–सीमांकन
उत्तरमध्यकाल –रीतिकाल –उपलब्ध सामग्री तथा प्रवृत्तिगत विश्लेषण
रीतिकाव्य–रीति का अर्थ, रीतिकाल के लक्षण और मूल प्रवृत्तियाँ
हिन्दी रीतिकाल का आरम्भ,
रीतिकाल का नामकरण,
रीतिकाव्य के सर्वांग निरूपक तथा विशिष्टांग निरूपक प्रमुख कवि, रीतिसिद्ध कवि, रीतिकालीन अन्य काव्य प्रवृत्तियां : भक्ति, नीति, वीर तथा गद्य–साहित्य, उत्तरमध्यकाल–रीतिकाल का समग्रतः मूल्यांकन

सैक्शन–बी

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ,भारतेन्दु युग की प्रवृत्तियाँ एवं उसका साहित्य
द्विवेदी युग की प्रवृत्तियां एवं उसका साहित्य

सैक्शन–सी

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता का परिचय और प्रमुख प्रवृत्तियाँ का मूल्यांकन

सैक्शन–डी

गद्य–साहित्य की प्रमुख विधाओं की परम्परा और विकास
उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और आलोचना
पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य कविता और गद्य का संदर्भ

सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–2) आ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का उत्तरमध्यकाल, राजकिशोर पांडेय, हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ।
3. हिन्दी साहितय का दूसरा इतिहास, डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आ० रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपा, डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य संवेदना का विकास, संपा, डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य सुधा जितेन्द्र (संपा०), अमृतसर : गुरु नानक देव यूनीवर्सिटी, 2004
8. पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल, डॉ० हुकुमचंद राजपाल, भाषा–विभाग, पंजाब।
9 पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी तथा कुलबिन्दर कौर, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-412: भारतीय काव्यशास्त्र

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

काव्यशास्त्रःस्वरूप–विवेचन,भारतीय काव्य–शास्त्र का इतिहास, काव्यःस्वरूप, हेतु, प्रयोजन तथा प्रकार,रस–सिद्धांत और सम्प्रदाय, रस निष्पति और साधारणीकरण,

सैक्शन–बी

अलंकार : सिद्धांत और सम्प्रदाय
अलंकार : वर्गीकरण, विशिष्ट अलंकारों का सोदाहरण परिचय–यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिश्योक्ति अन्योक्ति, समासोक्ति, अतियुक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत उदाहरण, प्रतिवस्तुपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास, रीतिसिद्धांत और रीति के प्रभेद, वक्रोक्ति सिद्धांत और वक्रोक्ति के भेद। ध्वनि–सिद्धांत और सम्प्रदाय, ध्वनि के प्रभेदों का वर्गीकरण। शब्द–शक्तियां। औचित्य सिद्धांत और औचित्य के प्रमुख भेद। स्वविवेक के अनुसार दिए गए पद्यांश गद्यांश की समीक्षा विद्यार्थियों द्वारा की जाएगी।

सैक्शन–सी

हिन्दी आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, भारतेन्दु एवं द्विवेदी युगीन हिन्दी समीक्षा शुक्लयुगीन हिन्दी समीक्षा सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक आलोचक–आ०रामचन्द्र शुक्ल, शुक्लोत्तर हिन्दी समीक्षा।

सैक्शन–डी

मानवतावादी आलोचक –आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, सौष्ठववादी आलोचक – आ० नंददुलारे वाजपेयी, सैद्धान्तिक एवं रसवादी आलोचक–डॉ० नगेन्द्र, मार्क्सवादी आलोचक–डॉ० रामविलास शर्मा, मूल्य एवं नैतिकतावादी आलोचक : डॉ० नामवार सिंह, आधुनिकतावादी आलोचक : डॉ० इन्द्रनाथ मदान, नव्य आलोचनाधर्मी आलोचक : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, शैलीविज्ञानिक आलोचक : डॉ० रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव।

सहायक पुस्तकें

1. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ० सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतीय काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. भारतीय समीक्षा–सिद्धांत, सूर्यनारायण द्विवेदी, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
4. रस सिद्धांत, डॉ० आनन्द प्रकाश दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ, डॉ० रामदरश मिश्र, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली।
6. हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास, डॉ० मानव स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन देहरादूर।
7. आधुनिक हिन्दी समीक्षा, प्रकीर्णक से पद्धति तक, यदुनाथ सिंह, प्रकाशन मंडल, दिल्ली।
8. हिन्दी आलोचना का इतिहास, डॉ० माखनलाल शर्मा, शब्द प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-413: मीडिया–लेखन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

दूरसंचार: प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य–माध्यम (रेडियो) श्रव्य–दृश्य माध्यमः फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य।

सैक्शन–बी

दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, मौखिक भाषा की प्रकृति, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन। टेली–ड्रामा/डाक्यू ड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

सैक्शन–सी

समाचार वाचन एवं लेखन।
रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन। स्लोगन लेखन, ऐंकरिंग। विभिन्न क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली, हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, डॉ॰ एच॰एम॰ लालसूद तथा डॉ॰ देवेन्द्र, वागीश प्रकाशन, जालंधर में से संस्करण 2010 वाला रहेगा।

सैक्शन–डी

विज्ञापन की भाषा
इंटरनेट सामग्री सृजन (कन्टेन्ट–क्रियेशन)
भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान : परिचय

सहायक पुस्तकें:

1. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतीय प्रसारण माध्यम, डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, मंगलदीप प्रकाशन, जयपुर।
3. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

HIL-414: स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

1. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. जगदीशचन्द्र : धरती धन न अपना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सैक्शन–बी

'मैला आंचल' में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना
'मैला आंचल' में राजनीतिक चेतना, लोक–संस्कृति
'मैला आंचल' की कथा–भाषा
मैला आंचल उपन्यास के प्रमुख पात्र

सैक्शन–सी

धरती धन न अपना' में पंजाब का परिवेश
धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएं
धरती धन न अपना : कलात्मक पक्ष
धरती धन न अपना में चित्रित शोषक–शोषित अवधारणा
धरती धन न अपना के प्रमुख पात्र

सैक्शन–डी

हिन्दी उपन्यास को फणीश्वर नाथ 'रेणु' की देन
हिन्दी उपन्यास–साहित्य को जगदीशचन्द्र का योगदान
उपन्यास फनीश्वर नाथ रेणु : सामान्य परिचय
उपन्यास जगदीशचन्द्र : सामान्य परिचय
आंचलिक उपन्यास के मूल तत्व

सहायक पुस्तकें

1. आधुनिक हिन्दी उपन्यास, भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास, अतुल वीर अरोड़ा, पब्लिकेशन ब्यूरों, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़।
3. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास, प्रकाश वाजपेयी, नंद किशोर एण्ड संस वाराणसी।
4. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्पविधि, आदर्श सक्सेना, सूर्य प्रकाशन, बीकानेर।
5. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास, राधेश्याम कौशिक, मंगल प्रकाशन, जयपुर ।

HIL-415: नाटक और रंगमंच (उत्तरखण्ड)

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां :

1. अन्धा युग : धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद।
2. आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

सैक्शन–बी

अन्धा युग : पौराणिक पृष्ठभूमि और प्रतिपाद्य, अन्धा युग : नाट्य–शिल्प,
अन्धा युग : पात्र–परिकल्पना–अश्वत्थामा, युयुत्सु, श्रीकृष्ण आदि अन्धा युग नाटक की आधुनिकता।

सैक्शन–सी

आठवां सर्ग का प्रतिपाद्य, आठवां सर्ग : साहित्यिक श्लीलता और अश्लीलता का प्रश्न, कालिदास का अर्न्तद्वन्द्व, नाट्य–शिल्प तथा रंग–चेतना।

सैक्शन–डी

हिन्दी नाट्य साहित्य को धर्मवीर भारती की देन
हिन्दी नाटक को सुरेन्द्र वर्मा का अवदान
डा॰ धर्मवीर भारती : सामान्य परिचय
डा॰ सुरेन्द्र वर्मा : सामान्य परिचय
साठोतरी नाटक : परिचय
राष्ट्रीय चेतना विद्यालय (एन.एस.डी)

सहायक पुस्तकें

1 भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ० अज्ञात, पुस्तक, संस्थान, कानपुर।
2 अन्धा युग : एक विवेचन, हरिश्चन्द्र वर्मा, सहकारी प्रकाशन, दिल्ली।
3 धर्मवीर भारती : विविध आयाम, हुकुमचन्द राजपाल, विभु प्रकाशन, साहिबाबाद।
4 सुरेन्द्र वर्मा की नाट्य सृष्टि, नरनारायण राज्य, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
5 प्रयोगधर्मी नाटककार : जगदीश चन्द्र माथुर, मीनाक्षी काला, शारदा, प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6 अन्धा युग : एक सृजनात्मक उपलब्धि, सुरेश गौतम, नायिकेता प्रकाशन, दिल्ली।
7 समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIL-416: कथाकार मुंशी प्रेमचंद

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां

1– गबन ;उपन्यासद्ध प्रेमचंद , हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
2– प्रेमचंद की कहानियां – ईदगाह, शतरंज के खिलाड़ी, कफन, पूस की रात, बेटों वाली विधवा, पंच परमेशवर

सैक्शन–बी

गबन उपन्यास का कथ्य एवं समस्याएँ, गबन उपन्यास की सामाजिक चेतना, गबन उपन्यास का कलात्मक पक्ष, गबन उपन्यास के प्रमुख पात्र

सैक्शन–सी

ईदगाह : कथ्य और शिल्प , शतरंज के खिलाड़ी : कथ्य और शिल्प,, बेटों वाली विधवा : कथ्य और शिल्प, पूस की रात, पंच परमेशवर : कथ्य और शिल्प,

सैक्शन–डी

कथाकार प्रेमचंद : सामान्य परिचय,
हिन्दी उपन्यास साहित्य को प्रेमचन्द की देन
हिन्दी कहानी साहित्य को प्रेमचन्द का अवदान
हिन्दी कहानी उद्भव और विकास

सहायक पुस्तकें–

प्रेमचन्द : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
प्रेमचन्द : हमारे समकालीन, संपा० रमेश कुन्तल मेघ और ओम अवस्थी,
गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।

HIL-417: कामायनीः विशेष अध्ययन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतिः
जयशंकर प्रसाद : कामायनी, (श्रद्धा सर्ग) , राजकमल पेपरबैक्स , नई दिल्ली

सैक्शन–बी

कामायनी की अर्न्तवस्तु , कामायनी' का दार्शनिक–पक्ष

सैक्शन–सी

'कामायनी' इतिहास एवं कल्पना, बिंब–योजना, प्रतीक–योजना

सैक्शन–डी

कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी का कला–सौष्ठव

सहायक पुस्तकें

- कामायनी : एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
- कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- मिथक और स्वरूप : 'कामायनी' की मन : सौंदर्य सामाजिक भूमिका, रमेश कुन्तल मेघ, ग्रंथम, कानपुर।
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नयी दिल्ली।
- कामायनी : मूल्यांकन और मूल्यांकन, इन्द्रप्रस्थ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIL-418: कबीर : विशेष अध्ययन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति

काव्य–मंजूषा, संपादक– डॉ. सुधा जितेन्द्र , राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
व्याख्या– साखी –
गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग,
विरह कौ अंग, चितावणी कौ अंग,
मन कौ अंग, माया कौ अंग

सैक्शन–बी

कबीर और उनका काव्य , कबीर काव्य का सामाजिक पक्ष

सैक्शन–सी

कबीर का रहस्यवाद , कबीर काव्य का क्रान्तिकारी पक्ष

सैक्शन–डी

कबीर काव्य का दार्षनिक पक्ष , कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें

- कबीर साहित्य चिंतन, परशुराम चतुर्वेदी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कबीर एक अनुशीलन, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
- कबीर : जीवन और दर्शन, रामनिवास चंडक, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- कबीर : एक नई दृष्टि, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIL-419: हिन्दी व्याकरण : विशेष अध्ययन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

अनेकार्थक शब्द, भिन्नार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, मुहावरे

सैक्शन–बी

सन्धि (सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष), समास (व्यावहारिक पक्ष)अशुद्ध–शुद्ध, लोकोक्तियाँ

सैक्शन–सी

औपाचारिक एवं अनौपचारिक पत्र–लेखन (व्यावहारिक पक्ष) पर्यायवाची शब्द

सैक्शन–डी

निबन्ध–लेखन, विराम चिह्न (सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक), अनेक शब्दों में एक शब्द, सार संक्षेपण

सहायक पुस्तकें

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, डॉ० जालमन दीमाशत्स, राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
2. व्यावहारिक हिन्दी, दिलीप सिंह, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास।
3. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, डॉ० हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972
   प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण, डॉ द्विजराम यादव, साहित्य रत्न कानपुर, 1989
4. प्रायोगिक हिन्दी व्याकरण, डॉ० राम गोपाल सिंह जादौन, विस्टा पब्लिशर्स, जयपुर, 2013
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण स्वरूप एवं प्रयोग, डॉ० भारती खुवालकर दिल्ली, साहनी पब्लिकेशन्स, 2004
6. सामान्य हिन्दी व्याकरण एवं प्रयोग, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1995
7. हिन्दी व्याकरण तथा रचना, डॉ० शिखा त्रिवेदी, श्री राधा गोविंद प्रकाशन, दिल्ली, 2014
8. व्याकरण–पारिजात, परमीमत्र शास्त्री, दिल्ली परममित्र प्रकाशन, 1993
9. हिन्दी व्याकरण, डॉ माया प्रकाश पाण्डेय, जयपुर अलंकार प्रकाशन, 1995
10. हिन्दी व्याकरण, डॉ० रामप्रकाश कुलश्रेष्ठ, डॉ० अनीता चौधरी जयपुर, रचना प्रकाशन, 2000
11. व्याकरणिक कोटियों का अध्ययन, एस. तोम्बा सिंह दिल्ली, ज्ञान भारती, 1984
12. आदर्श हिन्दी व्याकरण, डॉ. हरमोहनलाल सूद

HIL-501: मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकः
काव्य मंजूषा, संपा. डॉ० सुधा जितेन्द्र , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
कबीर– रमैनी एक से पांच पद, पद– एक से बीस, साखी – गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, विरह को अंग, निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग, चितावणी को अंग, मन कौ अंग, काल कौ अंग, विनती को अंग, चाणक कौ अंग
तुलसीदास : बाल कांड, विनयपत्रिका, तुलसीदास, अयोध्या कांड, उत्तर कांड, कलि महिमा, कवितावली
सूरदास : विनय तथा भक्ति, मथुरागमन एवं भ्रमरगीत।

सैक्शन–बी

कबीर काव्य का सामाजिक और क्रांतिकारी पक्ष भक्ति भावना, दार्शनिक आधार, कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष

सैक्शन–सी

तुलसी और उनका काव्य, तुलसी काव्य में समन्वय भावना और लोकनायकत्व
तुलसी काव्य में जीवन दर्शन, तुलसी काव्य का लोक जीवन में महत्व
तुलसी के रामराज्य की परिकल्पना
कवितावली का काव्य सौष्ठव

सैक्शन–डी

सूरदाास : सूरदास और उनका काव्य, कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान, सूरकाव्य का दार्शनिक आधार, सूर का वात्सल्य वर्णन, लीला वर्णन, सूर की भक्ति भावना तथा पुष्टिमार्ग सूर का काव्य सौष्ठव

सहायक पुस्तकें:
1. कबीर साहित्य चिंतन, परशुराम चतुर्वेदी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कबीर एक अनुशीलन, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
3. कबीरः जीवन और दर्शन, रामनिवास चंडक, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. कबीरः एक नई दृष्टि, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. तुलसी दर्शन, उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
6. तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुंतल मेघ, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–III)

HIL-502: आधुनिक हिन्दी गद्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँः

1) गोदान – प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद। (पृ०1–36 अंक)
2) लहरों के राजहंस : मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। (पृ०1–132)
3) पथ के साथी –महादेवी वर्मा, भारतीय भण्डार, इलाहाबाद। (संस्मरण 1–7)

सैक्शन–बी

प्रेमचन्द व्यक्तित्व एवं कृतित्व, गोदान का कथ्य : भारतीय कृषक वर्ग की त्रासदी के मुख्य संदर्भ में, गोदान : प्रगतिशील विचारधारा जीवन–दर्शन।
गोदान की शैल्पिक संरचना : कथा शिल्प, पात्र, भाषा आदि पर केन्द्रित प्रश्न।
आदर्श–यथार्थ से सम्बन्धित प्रश्न, प्रमुख हिन्दी आलोचकों की दृष्टि में

सैक्शन–सी

मोहन राकेश व्यक्तित्व एवं कृतित्व, मोहन राकेश की नाट्य–यात्रा और लहरों के राजहंस,
नाटक और रंगमंच का रिश्ता : मोहन राकेश की दृष्टि और 'लहरों के राजहंस', का आधार।
विचारधारा तथा कथ्य चेतना, नाट्य भाषा का परिप्रेक्ष्य।

सैक्शन–डी

महादेवी वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संस्मरण कला और 'पथ के साथी' का समग्र मूल्यांकन।
पंथ के साथी के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन
किसी एक संस्मरण के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न,
किसी एक संस्मरण के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न।

सहायक पुस्तकें

1) प्रेमचन्द : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
2) प्रेमचन्द : हमारे समकालीन, संपा० रमेश कुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
3) स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी नाटक : मोहन राकेश के विशेष सन्दर्भ में, रीताकुमार, विभु प्रकाशन, साहिबाबाद।
4) मोहन राकेश की रंग सृष्टि, जगदीश शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5) महादेवी का गद्य, सूर्य प्रसाद दीक्षित, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6) गद्यकार महादेवी वर्मा, वीरेन्द्र कुमार, ज्ञानभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7) हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, रमेश शास्त्री, हिन्दी बुक सैंटर, दिल्ली।
8) हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
9) प्रेमचन्द के नारी पात्र, ओम अवस्थी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
10) गोदान के अध्ययन की समस्याएँ, गोपालराय पटना।
11) गोदान का महत्व, सम्पा० सत्यप्रकाश मिश्र, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद।
12) मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13) समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र–सृष्टि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
14) नाटककार मोहन राकेश, जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
15) गद्य की नयी विधाएँ, माजदा असद, ग्रन्थ अकादमी, नई दिल्ली।
16) महादेवी का संस्मरणात्मक गद्य, चरणरूपी शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, दिल्ली।
17) महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा।

HIL-503: भाषाविज्ञान

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

भाषाः परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं, विभिन्न रूपः विभाषा, व्यक्ति भाषा, राजभाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्कभाषा, मानक भाषा,

सैक्शन–बी

भाषा का पारिवारिक और आकृतिमूलक वर्गीकरण
भाषाविज्ञानः परिभाषा और भाषाविज्ञान के विभिन्न अंग, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं, ग्रिम निरूपित ध्वनि नियम

सैक्शन–सी

रूपविज्ञान, रूप तथा संरूप : परिभाषा और पारस्परिक अंतर, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं,
अर्थ–परिवर्तन के कारण तथा अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं

सैक्शन–डी

वाक्यविज्ञान, प्रोक्तिविज्ञान, शब्दविज्ञान

सहायक पुस्तकें:

1) भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2) भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा डॉ॰ द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3) भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली।
4) भाषाविज्ञान, डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।
5) भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार प्रकाशन, मेरठ।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–III)

HIL-504: हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

हिन्दी भाषाः उद्‌भव और विकास, हिन्दी भाषाः हिन्दी और हिन्दी की विभाषाएं (बोलियां), खड़ी बोली के विकास में गद्य चतुष्ट्य का योगदान

सैक्शन–बी

हिन्दी स्वर और व्यंजनों का वर्गीकरण, हिन्दी की व्याकरणिक कोटियां : कारक, पुरुष, लिंग, वचन, वाच्य और पक्ष।

सैक्शन–सी

हिन्दी की व्याकरणिक कोटियां : उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि, तत्स्म, तद्‌भव, देशज, विदेशी, अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी,

सैक्शन–डी

देवनागरी लिपिः उद्‌भव और विकास, विशेषताएं।
देवनागरी लिपि का मानक रूप
हिन्दी भाषा का मानक रूप
देवनागरी लिपि संशोधन प्रस्ताव

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी भाषा की शब्द संरचना, भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, डॉ० जालमन दीमाशत्स, राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
4. व्यावहारिक हिन्दी, दिलीप सिंह, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास।
5. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
6. भाषिकी, डॉ० देवीशंकर द्विवेदी, प्रशान्त प्रकाशन, कुरुक्षेत्र।
7. हिन्दी, उद्‌भव, विकास और रूप, हरदेव बाहरी।

HIL-505: हिन्दी में अनूदित विश्व साहित्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां

1. मैकबेथ रांगेय राघव, राजपाल एंड सन्ज, दिल्ली, मूल लेखक– विलियम षेक्सपियर : राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
2. कलाकृति, कहानी संग्रह, अनुवादक– पंकज मालवीय, मूल लेखक – अन्तोन चेखब, ग्रंथलोक प्रकाशन, दिल्ली। (पहली दस कहानियां)

सैक्शन–बी

शेक्सपियर का परिचय
चेखब का परिचय
चेखब की कहानियों की मूल संवेदना (कलाकृति, प्यार भरा खत, बदला, कपटी आईना और गिरगिट)

सैक्शन–सी

पश्चिमी नाटक और हिन्दी नाटक
मैकबेथ नाटक की कथा संरचना
मैकबेथ नाटक की विषय वस्तु
मैकबेथ में पात्र चित्रण
मैकबेथ त्रासदी

सैक्शन–डी

पश्चिमी कहानी और हिन्दी कहानी
चेखब की कहानियों में जीवन दृष्टि
चेखब की कहानियों में पात्र–चित्रण (असहाय औरत, खुशकिस्मत आदमी, लापरवाही, मोटू–पतलू एवं भाषण बाज)

HIL-506: शैलीविज्ञान

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

सैक्शन–ए

शैलीविज्ञान : मूल पश्चिमी शब्द और उसके विविध हिन्दी रूपांतर, भाषा, बोली और शैली
भारतीय एवं पाश्चात्य परिभाषाएं

सैक्शन–बी

शैलीविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास
शैलीविज्ञान : स्वरूप–निर्धारण एवं विशेषताएँ
शैलीविज्ञान : भाषा विज्ञान का अंग
शैलीविज्ञान : आलोचना की प्रणाली

सैक्शन–सी

शैलीविज्ञान : अग्रप्रस्तुति प्रतिमान ;सैद्धांतिक परिचयद्ध
शैलीविज्ञान : शैलीचिह्नक प्रतिमान ;सैद्धांतिक परिचयद्ध
अज्ञेय की कविता 'सोल मछली' का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन।
प्रेमचन्द की कहानी 'कफन' का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन।

सैक्शन–डी

रूसी रूपवाद
अमरीकी नई आलोचना
विभिन्न आलोचना प्रणालियों में शैली वैज्ञानिक आलोचना का स्थान

सहायक पुस्तकें

1. रीतिविज्ञान विद्यानिवास मिश्र, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
2. शैलीविज्ञान की रूपरेखा, कृष्ण कुमार शर्मा, उदयपुर : संघी प्रकाशन।
3. शैलीविज्ञान का इतिहास, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. शैली और शैलीविश्लेषण, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन।
5. शैलीविज्ञान और आलोचना की नई भूमिका, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव आगरा : केंद्रीय हिन्दी संस्थान।
6. संरचनात्मक शैलीविज्ञान, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, दिल्ली : आलेख प्रकाशन।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–III)

HIL-507: भारतीय साहित्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां:

1. आनन्दमठ : बंकिम चन्द्र
2. घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक), विजय तेंदुलकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

सैक्शन–बी

भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
भारतीय साहित्य की समस्याएं

सैक्शन–सी

बंगला उपन्यास साहित्य : एक परिचय
बंकिम चन्द्र : साहित्यिक परिचय, भारतीय उपन्यास में आनन्दमठ का वैशिष्टय/ बंकिम चन्द्र के साहित्य में आनन्दमठ का वैशिष्टय तत्वों के आधार पर आनन्दमठ, उपन्यास की समीक्षा, आनन्दमठ में चित्रित समस्याएं

सैक्शन–डी

मराठी नाटक साहित्य : एक परिचय
विजय तेंदुलकर का साहित्यिक परिचय, घासीराम कोतवाल का वैशिष्ट्य, प्रतिपाद्य और प्रमुख समस्याएं, रंगमंचीयता, चरित्र–चित्रण तत्वों के आधार पर घासीराम कोतवाल नाटक की समीक्षा

सहायक पुस्तकें:

1 बंगला साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2 भारतीय साहित्य, डॉ० नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
3 आज का भारतीय साहित्य, डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
4 भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ० नगेन्द्र, कार्यान्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
5 हिन्दी साहित्येतिहास–दर्शन की भूमिका, डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
6 भारतीय साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-508: पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तक
पंचनंद संपादक प्रो॰ हरमहेन्द्र सिंह बेदी'

सैक्शन–बी
पंजाब के हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, परम्परा, इतिहास और काल विभाजन–नाथ, सिद्ध तथा लौकिक साहित्य

सैक्शन–सी
गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध पंजाब का भक्ति हिन्दी साहित्य–गुरु काव्यधारा, रामकाव्यधारा, कृष्णकाव्यधारा, सूफीकाव्यधारा

सैक्शन–डी
गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी काव्य–पटियाला दरबार, संगरूर दरबार, कपूरथला दरबार, नाभा दरबार

सहायक पुस्तकें:
1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरूक्षेत्र।
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक' अशोक पुस्तकालय, पटियाला।

HIL-509: मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तक
काव्य मंजूषाः संपा, डॉ० सुधा जितेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
व्याख्यार्थ
जायसी : पद्मावत – नागमती वियोगखण्ड, मानसरोदक खण्ड, पद्मावती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड
बिहारी : बिहारी सतसई – दोहा नं : 1 से 80 तक
घनानंद : सुजानहित, दोहा नंः 1 से 33

सैक्शन–बी

जायसी : साहित्यिक परिचय, हिन्दी सूफी काव्यधारा में जायसी का स्थान, जायसी के काव्य में दार्शनिकता जायसी, नागमती वियोगखण्ड – शेष 6 पद, पदमावत की प्रबन्धात्मकता, जायसी के काव्य में विरह वर्णन, प्रेमाभिव्यजंना, रहस्यवाद, पद्मावत की प्रबन्धात्मकताए विरह–वर्णन, जायसी की काव्यकला

सैक्शन–सी

रीतिकाल और बिहारी, बिहारी सतसई के भाव सम्बन्धी विभिन्न स्वर
बिहारी : रीतिकाल और बिहारी, सतसई परंपरा और बिहारी सतसई : समग्र मूल्यांकन, बिहारी की बहुज्ञता, बिहारी सतसई में भाव संबंधी विविध स्वर, बिहारी सतसई का कलात्मत पक्ष।

सैक्शन–डी

घनानंद : साहित्यिक परिचय, रीतिस्वच्छन्द काव्यधारा में घनानंद का स्थान, प्रेमानुभूति, विरह–वर्णन, भक्ति भावना काव्य सौष्ठव।

सहायक पुस्तकें:
1. जायसी, रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, शिव सहाय पाठक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सूफी महाकवि जायसी, जयदेव, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ।
4. पद्मावत का काव्य वैभव, मनमोहन गौतम, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली।
5. बिहारी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,
6. बिहारी : नव मूल्यांकन, डॉ० बच्चन सिंह
7. बिहारी की काव्य सृष्टि, जयप्रकाश
8. बिहारी की काव्यकला, उदयभानु सिंह
9. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–IV)

HIL-510: आधुनिक हिन्दी गद्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ

1. अशोक के फूल, आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली। निबंध संख्या – 1,2,4,9,10,12,15,17,18,19
2. एक दुनिया समानान्तर – सम्पादक राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली। (कहानियाँ बादलों के घेरे, खोई हुई दिशाएँ, तीसरी कसम, एक और जिन्दगी, चीफ की दावत, यही सच है, टूटना, नन्हों ,भोला राम का जीव, परिन्दे
3. आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड सन्ज़, दिल्ली)।

सैक्शन–बी

निबन्ध : स्वरूप तथा प्रकार, द्विवेदी जी का निबन्ध साहित्य : परिहार्य तथा वर्गीकरण, अशोक के फूल के आधार पर द्विवेदी जी के निबन्धों की विशेषताएँ, ललित निबन्ध के रूप में किसी एक निबन्ध का विश्लेषण, द्विवेदी जी की निबन्ध शैली : 'अशोक के फूल' का मुख्य सन्दर्भ

सैक्शन–सी

कहानी : हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास, समकालीन कहानी की विशेषताएं, कहानी के प्रमुख आंदोलन, संग्रह में निर्धारित कहानियों की विशेषताएं/समस्याएँ, किसी निर्धारित कहानियों की विशेषताएं/समस्याएं, किसी निर्धारित कहानी के कथ्य से संबंधित प्रश्न, किसी निर्धारित कहानी के शिल्प संबंधी प्रश्न

सैक्शन–डी

जीवनी : स्वरूप, परिभाषा, तत्व, प्रकार, आवारा मसीहा के संदर्भ में शरत चन्द्र का व्यक्तित्व विश्लेषण, आवारा मसीहा में पात्र योजना, कलात्मक पक्ष, जीवनी कला के आधार पर 'आवारा मसीहा' का मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें

1) आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान, देवराज उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
2) हिन्दी ललित निबन्ध : स्वरूप एवं मूल्यांकन, संतराम देशपाल, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली।
3) हिन्दी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
4) नयी कहानी : विविध प्रयोग, पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5) गद्य की नयी विधाएं, माजदा असर, ग्रंथ अकादमी, नयी दिल्ली।
6) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, व्यक्तित्व एवं साहित्य, गणपति चन्द्र गुप्त भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–IV)

HIL-511: आधुनिक भाषाविज्ञान

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

भाषा–शास्त्र और आधुनिक भाषाविज्ञान : अंतर और स्वरूप विवेचन, वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : स्वरूप विवेचन, विभिन्न इकाइयाँ : ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य प्रोक्ति और अर्थ

सैक्शन–बी

आधुनिक भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहासः सॅस्यूर से चॉमस्की तक, विभिन्न भाषा वैज्ञानिक आधुनिक कोपेनहैगन, अमरीकी

सैक्शन–सी

प्रकार्यमूलक व्याकरण
व्यवस्थामूलक व्याकरण
रूपांतरण प्रजनक व्याकरण
कारक व्याकरण

सैक्शन–डी

समाजभाषाविज्ञान : स्वरूप और सामान्य परिचय
मनोभाषाविज्ञान : स्वरूप और सामान्य परिचय
शैलीविज्ञान : स्वरूप और सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें:

1. आधुनिक भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, दिल्ली।
2. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर और चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
5. आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर और चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. शैलीविज्ञान का इतिहास, शशिभूषण शीतांशु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. शैलीविज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण, शशिभूषण शीतांशु, देवदार प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार स्वामी।
9. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–IV)

HIL-512: राजभाषा प्रशिक्षण

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

सैक्शन–ए

- प्रशासन व्यवस्था और भाषाः भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता।
- राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति।
- राजभाषा हिन्दी का उद्‌भव और विकास
- राष्ट्रीय आंदोलन में हिन्दी की भूमिका

सैक्शन–बी

- राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक) राष्ट्रपति के आदेश (1952ए 1955ए 1960),
- राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967) राजभाषा संकल्प : 1968 (यथानुमोदित : 1961)
- राजभाषा नियम 1976, द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र।
- हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति।

सैक्शन–सी

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी। हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका
- हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।
- राजभाषा के विकास के लिए गठित विभिन्न संस्थाएं, केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।
- सूचना प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि।
- भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

सैक्शन–डी

शोध : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व
शोधार्थी के गुण, साहित्यिक शोध का स्वरूप शोध एवं साहित्यिक चोरी

सहायक पुस्तकें

1. सं. हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद, नई दिल्ली ।
2. राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ,नई दिल्ली ।
3. डॉ भोलानाथ तिवारी,राजभाषा हिन्दी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
4. मलिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
5. शेरबहादुर झा,संविधान में हिन्दी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ।
6. संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ रामनाथ सहाय, हिन्दी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिन्दी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी, दिल्ली ।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–IV)

HIL-513: प्रवासी हिन्दी साहित्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

निम्नलिखित कृतियां व्याख्या के लिए निर्धारित हैं :

अमेरिका तुझे क्या कहूं – अंजना संधीर
लंदन – मोहन राणा
बार–बार भारत – सत्येन्द्र श्रीवास्तव
क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र
परदेश में वसंत की आहट – अचला शर्मा
उपन्यास हवन : सुषम बेदी
कहानी : वह रात – उषा राजे सक्सेना
अनुजा – अर्चना पैन्यूली

सैक्शन–बी

- प्रवासी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- प्रवासी हिन्दी साहित्य की प्रमुख रचनाएँ
- प्रवासी हिन्दी साहित्य की प्रमुख विधाएँ

सैक्शन–सी

प्रवासी उपन्यास : एक परिचय
प्रवासी हिन्दी उपन्यास कथ्यगत विशिष्टताएँ
हवन उपन्यास में वर्णित प्रमुख समस्याएँ
हवन उपन्यास के प्रमुख पात्र

सैक्शन–डी

प्रवासी हिन्दी साहित्य का अभिव्यंजन पक्ष
उषा राजे सक्सेना की कहानी का कथ्य एवं शिल्प
अर्चना पैन्यूली की कहानी का कथ्य एवं शिल्प

HIL-514: पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक 'सप्तसिन्धु', संपादक प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी, प्रकाशक, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।

सैक्शन–बी

- पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
- पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की परिस्थितियाँ

सैक्शन–सी

- पंजाब में रचित आधुनिक हिन्दी कविता : परंपरा और विकास
- पंजाब में रचित हिन्दी उपन्यास : परम्परा और विकास
- पंजाब में रचित हिन्दी कहानी : परम्परा और विकास

सैक्शन–डी

- पंजाब में रचित हिन्दी नाटकः परम्परा और विकास
- पंजाब में रचित हिन्दी निबन्धः परम्परा और विकास
- पंजाब की हिन्दी आलोचनाः परंपरा और विकास

सहायक पुस्तकें:

1) पंजाब की हिन्दी साहित्य को योगदान, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला।
2) पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य, सुधा जितेन्द्र (संपादक), अमृतसर : गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, 2004
3) पंजाब की हिन्दी कविता : डॉ॰ हुकुमचन्द राजपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4) जागृति–हिन्दी पत्रिका का पंजाब साहित्य विशेषांक, लोक सम्पर्क विभाग, चण्डीगढ़।
5) पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ॰ हरमहेन्द्र सिंह बेदी, मनप्रीत प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIL-515: नाटककार मोहन राकेश

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित नाटकः

1. 'आधे अधूरे': मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1974
2. 'आषाढ़ का एक दिन' : मोहन राकेश, राजपाल एण्ड संज़, 1977

सैक्शन–बी

नाटक : अर्थ परिभाषा एवं तत्व
पंजाब का हिन्दी नाटक और परंपरा और विकास
पंजाब के हिन्दी नाटक का वैशिष्टय
पंजाब का हिन्दी नाटक और मोहन राकेश

सैक्शन–सी

मोहन राकेश : साहित्यिक परिचय
आधे – अधूरे : नाट्यात्मक वैशिष्ट्य, समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज, विचारधारा, रंगमंचीयता, शीर्षक की सार्थकता, कथ्य चेतना।

सैक्शन–डी

आषाढ़ का एक दिन का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य, पात्र–योजना, रंगमचीयता, विचारधारा, शीर्षक की सार्थकता, कालिदास का अंतर्द्वंद्व, भाषा तथा कथ्य चेतना।

सहायक पुस्तकें:

1. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. मोहन राकेश की रंग–सृष्टि, डॉ. जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, वाराणसी।
3. नाटककार मोहन राकेश, डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
4. आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
5. आधे–अधूरेः समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, आशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक, डॉ. रामनारायण लाल, आशा प्रकाशन, कानपुर ।
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व, डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

HIL-516: कवि हरिवंशराय बच्चन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कृति

हरिवंषराय बच्चन, मधुषाला, राजपाल एंड सन्ज़, दिल्ली ।

सैक्शन–बी

हरिवंषराय बच्चन : सामान्य परिचय

हालावाद और हरिवंश राय बच्चन
हालावाद की विशेषताएं

सैक्शन–सी

रोमांसवादी काव्यधारा : आरंभ एंव विकास
हरिवंशराय बच्चन के काव्य में रोमांस का स्वरूप

सैक्शन–डी

मधुषाला काव्य संग्रह की मूल संवेदना, कथ्य, भाषागत वैषिष्ट्य

HIL-518: निबंधकार प्रो. पूर्ण सिंह

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तक
अध्यापक पूर्ण सिंह के हिन्दी निबंध , संपादक डॉ. हरमहेन्द्र सिंह बेदी , डॉ. सुधा जितेन्द्र , निर्मल पब्लिकेषन, दिल्ली।

सैक्शन–बी

हिन्दी निबंध : परिभाषा, तत्व, प्रकार
हिन्दी निबंध : उद्‌भव और विकास
पंजाब का निबंध साहित्य : परम्परा और विकास

सैक्शन–सी

अध्यापक पूर्ण सिंह : साहित्यिक परिचय
पंजाब के हिन्दी निबंधकारों में प्रो. पूर्ण सिंह का स्थान।
मज़दूरी और प्रेम की मूल संवेदना तथा अमेरिका का मस्त योगी निबंध का कथ्य एवं शिल्प

सैक्शन–डी

निबंध पवित्रता : कथ्य एवं शिल्प
आचरण की सभ्यता : कथ्य एवं शिल्प
सच्ची वीरता : कथ्य एवं शिल्प
कन्यादान : कथ्य एवं शिल्प
प्रो. पूर्ण सिंह के निबंधों की समस्याएं

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी लेखक कोश, सुधा जितेन्द्र (संपा०), अमृतसर : गुरु नानक देव यूनीवर्सिटी, 2004
2. पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य सुधा जितेन्द्र (संपा०), अमृतसर : गुरु नानक देव यूनीवर्सिटी, 2004
3. पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल, डॉ० हुकुमचंद राजपाल, भाषा–विभाग, पंजाब।
4. पंजाब का हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी तथा कुलबिन्दर कौर, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।

M.A. (HINDI) (CBEGS) (SEMESTER–IV)

HIL-519: साहित्यिक निबंध लेखन

Credits: 4-0-0
Marks: 100

Mid Semester Examination: 20% weightage
End Semester Examination: 80% weightage
Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

सैक्शन–ए

साहित्यिक विधाओं का विकास–क्रम

सैक्शन–बी

रस सिद्धान्त,
साधारणीकरण

सैक्शन–सी

हिन्दी का विकासात्मक अध्ययन,
भाषा विज्ञान।

सैक्शन–डी

भूमण्डलीकरण के दौर में हिन्दी/

सहायक पुस्तकें:

1 गणपतिचन्द्र गुप्त, साहित्यिक निबन्ध, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2 यश गुलाटी, बृहद् साहित्यिक निबन्ध, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
3 त्रिभुवन सिंह, साहित्यिक निबन्ध, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4 रामसजन पाण्डेय, साहित्यिक निबन्ध, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
5 जोगेश कौर, साहित्यिक निबन्ध, नरेश प्रकाशन, दिल्ली।
6 राजनाथ शर्मा, साहित्यिक निबन्ध, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7 कामेश्वर शर्मा, हिन्दी भाषाःसमस्याएँ तथा समाधान, भारती भवन, पटना।
8 रामविलास शर्मा, हिन्दी भाषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9 देवीशरण रस्तोगी, हिन्दी के साहित्यिक निबन्ध, राजहंस प्रकाशन, मंदिर, रामनगर, मेरठ।
10 सुशील कुमार फुल्ल, साहित्यिक निबन्ध, भावना प्रकाशन, दिल्ली।